"प्रशिक्षित एवं सुशिक्षित प्राध्यापकों को अपने कौशल के विकास के लिए निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता है, और यही आज के समय की माँग है. प्रत्येक अध्यापक को हमेशा एक विद्यार्थी बने रहना चाहिए साथ ही विषय का ज्ञान, आत्मज्ञान और उच्च कोटि की सम्भाषण शैली पर भी एक अध्यापक को विशेष ध्यान देना चाहिए"– कुछ ऐसे ही विचार थे, आज के कार्यक्रम के बीजवक्ता प्रो० राम पैली सत्यनारायणा (इग्नू, नई दिल्ली) के.

दिनाँक 15 जून, 2015 को अग्रवाल महाविद्यालय के संभाग प्रथम के सभागार में आई.क्यू.ए.सी. (आन्तरिक गुणवत्ता आकलन प्रकोष्ठ) के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई, जिसका विषय था–
"प्रशिक्षित प्राध्यापकों के लिए प्रशिक्षण". अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता, उपप्रधान डॉ० वासुदेव गुप्ता, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता, प्रो० एस.के. चक्रवर्ती एवं अन्य अतिथियों के द्वारा दीपशिखा प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता ने अतिथियों का परिचय देते हुए आज की कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज्ञान और गुणवत्ता एक निरंतर प्रक्रिया है.
इसी अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो० एच. देवाराज द्वारा और अन्य सभी सम्मानीय सदस्यों द्वारा महाविद्यालय के संभाग द्वितीय में दो नवनिर्मित कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं का उद्घाटन हुआ.
आई.क्यू.ए.सी. के कन्वीनर डॉ० मनोज शुक्ला के निर्देशन में यह कार्यशाला हुई. इस सुअवसर पर महाविद्यालय संभाग द्वितीय की प्रभारी डॉ० उषा अग्रवाल, वरिष्ठ प्रवक्ता श्री अशोक कौशिक एवं अग्रवाल महाविद्यालय के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ प्रवक्ता उपस्थित थे. मंच संचालिका श्रीमती किरन आनन्द थीं. मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया. डॉ० मनोज शुक्ला के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ.